राज्यपाल सचिवालय, विहार
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने पटना वीमेंस कॉलेज के वार्षिकोत्सव का उद्घाटन किया

पटना, 20 जनवरी 2018

''किसी भी राष्ट्र की प्रगति इस बात पर निर्भर करती है कि वहाँ की शिक्षा–व्यवस्था कितनी सुदृढ़ है। आज वही राष्ट्र, विकसित देशों की कतार में अगली पंक्ति में खड़े हैं, जिन्होंने शिक्षा के महत्त्व को पूरी शिद्दत से महसूस किया है और उसके विकास के लिए अपने तमाम संसाधनों और आर्थिक शक्ति का सदुपयोग किया है।'' –उक्त उद्गार, पटना वीमेंस कॉलेज के वार्षिकोत्सव के उद्घाटन–समारोह को सम्बोधित करते हुए, राज्यपाल श्री सत्य पाल मलिक ने व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान ब्रिटेन को अपने बजट के विभिन्न प्रक्षेत्रों में भारी कटौती करते हुए उसे सैन्य–शक्ति के विकास की ओर मोड़ना पड़ा था। उस दौरान भी तत्कालीन ब्रिटीश प्रधानमंत्री ने शिक्षा क्षेत्र के अपने बजट में कोई कटौती नहीं की थी। उनकी धारणा थी कि कोई भी देश भवन–निर्माण, सड़क–निर्माण, औद्योगिक विकास आदि में पिछड़कर भी कालान्तर में अपनी प्रगति में सुधार कर सकता है, परन्तु शिक्षा के क्षेत्र में अविकसित रह जाने से उस देश की पूरी एक पीढ़ी चौपट हो जाती है। सड़कों, भवनों, कल–कारखानों आदि के निर्माण कुछ विलम्ब से किए जा सकते हैं, युद्धों से त्रस्त होकर भी कोई देश बाद में प्रगति कर सकता है, परन्तु शिक्षा क्षेत्र में कमी रह जाने पर पूरी एक पीढ़ी की बर्बादी का खतरा उत्पन्न हो जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि पिछले दिनों राजभवन में 'कुलपतियों की बैठक' के दौरान कुछ खास निर्णय लिये गये। उसमें एक प्रमुख निर्णय था कि अब वैसे किसी भी महाविद्यालय को सम्बद्धता (Affiliation) नहीं प्रदान की जाएगी, जहाँ कन्याओं के बैठने के लिए 'गर्ल्स कॉमन रूम' एवं उनके उपयोग के लिए प्रत्येक भवन में 'वाश रूम' नहीं होगा। राज्यपाल ने बताया कि विश्वविद्यालयों एवं अंगीभूत महाविद्यालयों (Constituent Colleges) में भी हर हालत में यह व्यवस्था सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

राज्यपाल श्री मलिक ने कहा कि बिहार के विद्यार्थी अत्यन्त परिश्रमी और मेधावी होते हैं। जरूरत है सिर्फ उनके कुशल मार्ग–दर्शन की। उन्होंने कहा कि विश्व के विभिन्न विश्वविद्यालयों से निकलने वाली प्रतिभाओं को काफी संख्या में 'नोबेल पुरस्कार' मिले हैं; परन्तु भारत में यह संख्या अत्यन्त कम है। उन्होंने भारतीय विश्वविद्यालयों को विश्व–मानकों के अनुरूप विकसित करने पर जोर देते हुए कहा कि बिहार को भी इस दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। राज्यपाल ने कहा कि बिहार पंडित मंडन मिश्र की धर्मपत्नी विदुषी भारती मिश्रा की भूमि है, जिन्होंने शास्त्रार्थ में जगद्गुरू आदि शंकराचार्य को भी परास्त कर दिया था।

श्री मलिक ने पटना वीमेंस कॉलेज की प्रशंसा करते हुए कहा कि समुचित संसाधनों, शिक्षकों और छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन आदि को देखकर ही इस कॉलेज को लगातार हाल के दिनों में 'NAAC' मूल्यांकन के तहत 'A Grade' प्राप्त हुआ है तथा यू॰जी॰सी॰ द्वारा 'स्वायत्तता' (Autonomy) की गरिमा से भी अभिमंडित किया गया है। यह प्रसन्नता और गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि अपने 77 वर्षों की सुदीर्घ उपलब्धिमय यात्रा में इस महाविद्यालय ने ऐसी कतिपय प्रतिभावान छात्राएँ देश और समाज को सौंपने में सफलता पायी है, जिन्होंने कई महत्त्वपूर्ण पदों पर रहते हुए बिहार का गौरव बढ़ाया है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पटना विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ॰ रासबिहारी प्रसाद सिंह ने उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन–प्रतिशत बढ़ाने के साथ–साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षण–व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने पटना वीमेन्स कॉलेज परिसर में 'वाश रूम' सहित वेंडिंग मशीन का भी उद्घाटन किया। समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रम, नाटक आदि भी प्रस्तुत किये गये। कार्यक्रम में स्वागत–भाषण कॉलेज की प्रिंसिपल सिस्टर डॉ॰ मेरी जेसी ने किया। समारोह में राज्यपाल श्री मलिक ने शिक्षा, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रक्षेत्र, एन॰सी॰सी॰/एन॰एस॰एस॰ एवं अन्य सामाजिक गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करनेवाली छात्राओं को पुरस्कृत भी किया। इस अवसर पर पटना विश्वविद्यालय की प्रतिकुलपति डॉ॰ डॉली सिन्हा, पटना वीमेंस कॉलेज की प्रबंधक सिस्टर डॉ॰ एम॰रीमा एवं पटना विश्वविद्यालय के कुलसचिव आदि भी उपस्थित थे।

.....